॥ श्रीः ॥

रामस्वयंवर।

अर्थात्

श्रीमद्रामायण।

जिसमें
सिद्धश्रीमहाराजाधिराजश्रीमहाराजाबहादुरश्रीकृष्णचन्द्र
कृपापात्राधिकारी श्री१०८रघुराजसिंहदेवजू (जी, सी एस्
आई) ने वाल्मीकी और श्रीगोस्वामी तुलसीदासकृत
रामायणके अनुसार श्रीरामचन्द्रजीका बालचरित्र
और विवाहोत्सव सविस्तर तथा सप्तकांडोंकी
कथा विविध भाषाछन्दोंमें निर्माण किया।

और

श्रीमन्महाराजाधिराज श्रीवेङ्कटरमणसिंहदेवजू बहादुर
जी. सी. एस्. आई. जीकी आज्ञानुसार

गङ्गाविष्णु श्रीकृष्णदास,
अध्यक्ष "लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर" छापेखानेमें

मैनेजर पं॰ शिवदुलारे वाजपेयीने मालकके लिये
छापकर प्रकाशित किया।

संवत् १९८०, शके १८४९.

कल्याण-मुंबई.

श्री १०८ श्रीमन्महाराजाधिराज राजाबहादुर
बान्धवेश श्रीरघुराजसिंहदेवजी.
जी. सी. एस्. आई.

श्रीगणेशाय नमः ।

महाराज श्रीरघुराजसिंहजीदेवकृत–

रामस्वयंवरविषयानुक्रमणिकाप्रारम्भः ।

विषय.	पृष्ठांक.

नवमः प्रबन्धः ।

दशमः प्रबन्धः ।

एकादशः प्रबन्धः ।

द्वादशः प्रबन्धः ।